Bhajankilyrics

बता हनुमान पयिारा रे भाई कुण से देश ते आया

Downloaded on: May 1, 2025

बता हनुमान पयिारा रे भाई कुण से देश ते आया बता हनुमान पयिारा रे, भाई कुण से देश ते आया।। (माँ सीता व हनुमानजी वार्तालाप) मुद्रकिा लेकर आयो नशिानी, मनै तू लागे कोई बलवानी, समन्दर लांघ के खारा रे, भाई कुण से देश ते आया।। घणा जोखम था फेर भी आया, मेरे रघुवर का संदेशा ल्याया, बता के लागै तू म्हारा रे, भाई कुण से देश ते आया।। क्यूं मनै सोने का मृग देखा, क्यूं मनै लांघी लक्ष्मण रेखा, बछिड़ गया राम हमारा रे, भाई कुण से देश ते आया।। भरोसो राख रामजी आसी, यो रावण करणी को फळ पासी, के धरम कदै नही हारा रे, माई मैं भारत देश ते आया, मनै श्री राम भजिाया रे, माई मैं भारत देश ते आया।। सब भग्तां संग अम्बरीष गावै, माँ सीता हनुमत ने बतळावै, तू बेगो आई दुबारा रे, भाई कुण से देश ते आया, मनै श्री राम भजिाया रे, माई मैं भारत देश ते आया।। बता हनुमान पयिारा रे, भाई कुण से देश ते आया।।

© 2025 Bhajankilyrics. All rights reserved.